तेरी मर्जी का मैं हूँ गुलाम मेरे अलबेले राम लिरिक्स

तेरी मर्जी का मै हूँ गुलाम
मेरे अलबेले राम मेरे अलबेले राम

तेरी रज़ा मैंने करली रजा
अब दे दो सजा या इनाम
मेरे अलबेले राम.....

भक्ति में ही डूबा रहू आठोयाम
अब दे दो यही वरदान
मेरे अलबेले राम....
तेरी मर्जी का मै हूँ गुलाम